

# जनसत्ता

## क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I, Sandeep Kalra S/o Sh V.P. Kalra R/o H.No.-C-44, Swami Nagar, New Delhi my minor son name is wrongly written Nikhil Kalra in his school record, but his original name is Nikhil Kalra. 0040337997-1

I, A.V.A.S. Padmavathi, W/o Late Shri Rajendra Shankar R/o Plot No. 218, GF-2, Sector-6, Vaishali, Ghaziabad-201010, have changed my name to Devgupta Padma Shankar for all purposes. 0040337935-1

I, Miss Khushboo Mahani D/o Vinay Kumar R/o Right Side, Ground floor, E-97, Jeevan Park, Uttam Nagar, Delhi 110059 have changed my name to Miss Khushboo. 0040337934-1

I, Shalini W/o Ankit Kumar Singh R/o Fla.No.601, Tower-14, South Close Apartment, Nirvana Country, Sector-50, South City-II, Gurgaon, Haryana-120218, have changed my name to Shalini Singh. 0040338005-7

रिक्त स्थान

## SITUATION VACANT

Job! Job! Job! होटल स्टाफ 10वीं पास रूम अटेंडेंट, रसोइया और रिसेप्शनिस्ट चाहिए। संपर्क करें 9069116116 इंटरव्यू तारीख: 2, 3, 4, 5 Feb, समय: 4-6 PM जगह: S167-A, Uppal Southend Sohna Road, Omaxe mall gurgaon. 50086442

I, Santosh Kumari D/o Devesh Kumar R/o A-74, Vijay Vihar, Phase-2, Sector-4, Rohini, Delhi-85 have changed my name to Divyishikha for all purposes. 0040337952-1

I, Sanjit Choudhury, S/o Late. Gopal Krishna Choudhury, R/o Quarter.No.F-58, Nauraji Nagar, NewDelhi-110029, have changed my name to Sanjit Chowdhury, for all purpose. 0040338005-8

**KHANDELWAL EXTRACTIONS LIMITED**  
CIN: L24241UP1981PL0295292  
Regd. Office: 51/47, Nayagar, Kanpur 20801  
Email: kelping@yahoo.com  
Web: www.khandelwalextractions.com  
Notice Available at: www.bsandil.com

**NOTICE OF BOARD MEETING**  
Notice is hereby given that the Board Meeting of the Company is scheduled to be held on Wednesday, 10th Feb, 2016 at its Registered Office to inter-alia, consider and approve the Un-audited Financial Results of the Company for the Quarter and Nine Months ended December, 31st, 2015.

For Khandelwal Extractions Limited  
Date: 01.02.2016 (Dinesh Khandelwal)  
Place: Kanpur Director (Finance) & CFO

**PTC INDUSTRIES**  
AGRIC. INDIAN. AGENCIES  
Registered Office: Mahiya Nagar, Aishbagh, Lucknow-226 004, Uttar Pradesh, India.  
Ph: +91 522 2265300  
Fax: +91 522 2265302 Web: www.ptcil.com  
(CIN: L27109UP1963PLC002931)

## NOTICE

Notice is hereby given that pursuant to Regulation 29, 33 and 47of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirement) Regulations, 2015, a meeting of the Board of Directors of Company is scheduled to be held on Tuesday, 9<sup>th</sup> February, 2016 to, inter-alia, consider amongst other business, the Un-audited Financial Results of the Company for the quarter ended on 31<sup>st</sup> December, 2015.

In terms of SEBI (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015, the trading window for dealing in the securities of the Company will be closed for all Directors, Officers, Designated persons of the Company and their immediate relatives on and from February 1, 2016 to February 11, 2016 (both days inclusive) and would reopen on February 12, 2016.

For PTC Industries Limited  
SD/-  
(A.K. Gupta)  
Place: Lucknow General Manager (Finance)  
Date: 30.01.2016 & Company Secretary

# चीन ने अमेरिकी युद्धपोत को चेतावनी देकर अपने क्षेत्र से बाहर निकाला

बीजिंग, 31 जनवरी (एपी)। दक्षिण चीन सागर में बीजिंग के नियंत्रण वाले एक द्वीप के निकट नौवहन को स्वतंत्रता को दिखाने और चीन के क्षेत्रीय दावों को चुनौती देने के लिए अमेरिका द्वारा जानबूझकर युद्धपोत भेजे जाने को लेकर चीन ने उसकी निंदा की है।

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मार्क राइट ने वाशिंगटन में कहा कि मिसाइल विध्वंसक यूएसएस कर्टिस विल्बर तीन दावेदारों को पूर्व में सूचित किए बिना पार्सेल श्रृंखला में ट्राइटन द्वीप के 12 समुद्री मील (22 किलोमीटर) के इलाके में गया ताकि पार्सेल द्वीप पर दावा करने वाले पक्षों के अत्यधिक समुद्री दावों को चुनौती दी जा सके।

पार्सेल पर चीन, ताईवान और वियतनाम अपना-अपना दावा पेश करते हैं और उनका कहना है कि इस क्षेत्र में आने वाले पोत पहले उनकी अनुमति लें। यह ताजा अभियान मुख्य रूप से चीन को निशाना बनाकर किया गया था। चीन ने अमेरिका की इस कार्रवाई पर तत्काल जवाब दिया।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता यांग युजुन के मुताबिक अमेरिका की यह कार्रवाई चीन के कानून का गंभीर उल्लंघन करती है, इससे जल क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और

सुव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है और साथ ही इलाके की शांति और स्थिरता को भी ठेस पहुंची है। यांग ने कहा कि द्वीप पर मौजूद चीनी बलों, नौसेना के पोतों और युद्ध विमानों ने तत्काल कार्रवाई की और अमेरिकी युद्धपोत को चेतावनी देकर इलाके से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका का अभियान दोनों पक्षों के बलों की सुरक्षा के लिए एक गैरजिम्मेदाराना और बेहद गैर पेशेवर था। इसके घातक परिणाम हो सकते हैं। चीनी सुरक्षा बल चीन की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए हर वो कदम उठाएंगे जो जरूरी है।

**शीर्ष रिपब्लिकन सीनेटर ने अमेरिकी युद्धपोत भेजने का स्वागत किया**  
वाशिंगटन : रिपब्लिकन पार्टी के एक शीर्ष सीनेटर ने दक्षिण चीन सागर में एक विवादित द्वीप से 12 समुद्री मील के दायरे में अमेरिकी युद्धपोत भेजने का स्वागत किया है। इस द्वीप पर चीन, ताईवान और वियतनाम अपना-अपना दावा करते हैं। अमेरिका ने बढ़ा-चढ़ाकर किए जाने वाले समुद्री दावे को चुनौती देने के लिए ऐसा किया है जो नौपरिवहन की आजादी को सीमित करते हैं। सीनेट आर्ड सर्विसेज

कमिटी के प्रमुख सीनेटर जॉन मैक्केन ने शनिवार को कहा कि मैं यह जानकर उत्साहित हूँ कि अमेरिकी नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में पारसेल द्वीप समूह के ट्रीटन द्वीप के आस-पास नौवहन स्वतंत्रता अभियान चलाया।

उन्होंने कहा कि इस अभियान ने अमेरिका और दूसरे देशों के अधिकारों और स्वतंत्रता को सीमित करने वाले बढ़ा-चढ़ाकर किए जाने वाले समुद्री दावे को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत चुनौती दी। मैक्केन ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि ये अभियान इतने नियमित हो जाएंगे कि चीन और दूसरे दावेदार इन्हें सामान्य घटनाएं मानना शुरू कर देंगे। दक्षिण चीन सागर में ट्रीटन द्वीप के पास नौवहन स्वतंत्रता अभियान चलाया गया। दक्षिण चीन सागर प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है और जहाजों की आवाजाही का एक प्रमुख रास्ता है। इससे पूर्व तीन महीने पहले एक अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस लारसेन चीन द्वारा स्पार्टली द्वीपसमूह में बनाए जा रहे एक कृत्रिम द्वीप के करीब 12 समुद्री मील के दायरे में पहुंच गया था जिससे अमेरिका और चीन के बीच एक बढ़ा गतिरोध शुरू हो गया था।

## गूल की एक मिनट के लिए मिल्कियत के लिए सम्यक को आठ लाख का भुगतान

न्यूयार्क, 31 जनवरी (भाषा)। सर्ज इंजन गूल ने सम्यक वेद को आठ लाख रुपए का भुगतान किया है। सम्यक वेद एक मिनट के लिए गूल डॉट कॉम डोमेन नाम के मालिक बन गए थे। हालांकि सम्यक ने भुगतान की पूर्ण राशि दान कर दी।

पिछले साल सितंबर में कच्छ क्षेत्र के मांडवी के रहने वाले सम्यक गूल डोमेन खोजते समय पाया कि गूल डॉट कॉम (डोमेन नाम) खरीद के लिए उपलब्ध है। उन्होंने 12 डालर में यह डोमेन नाम खरीद लिया और गूल द्वारा यह विक्री निरस्त किए जाने से पहले इसके वेबमास्टर टूल्स तक पहुंच हासिल कर ली।

हालांकि सम्यक ने कहा था कि उन्होंने पैसे के बारे में कभी नहीं सोचा और वह मिलने वाली राशि आर्ट आफ लिविंग इंडिया फाउंडेशन को दान करना चाहते थे। गूल ने एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा, 'आपने सम्यक वेद के बारे में पढ़ा होगा जो गूल डोमेन पर एक मिनट के लिए गूल डॉट कॉम खरीदने में सफल रहे।

सम्यक को हमारी ओर से दिया गया शुरुआती वित्तीय पुरस्कार 6,006.13 डालर था। जब सम्यक ने यह पुरस्कार राशि दान करने की बात कही तो हमने इस राशि को बढ़ाकर दोगुना कर दिया।' वेद ने लिंकेडिन पर एक पोस्ट में कहा था कि उन्होंने यह पुरस्कार राशि आर्ट आफ लिविंग के शिक्षा कार्यक्रम में दान करने का निर्णय किया। इस दान से शिक्षा के क्षेत्र में कुछ गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद करेगा।

# मंगल व शुक्र ग्रह पर अपने झंडे गाड़ने के लिए तैयार हैं भारत और फ्रांस

नई दिल्ली, 31 जनवरी (भाषा)। मंगलयान के पहले से ही मंगल की कक्षा में मौजूद होने के कारण मंगल पर लैंडर (अंतरिक्षीय पिंड का अध्ययन करने वाला यान) उतारना एक दिलचस्प पहलू हो सकता है। फ्रेंच स्पेस एजेंसी के प्रमुख का कहना है कि फ्रांस इस दिशा में भारत के साथ मिल कर काम करने के लिए तैयार है। एक साक्षात्कार में, फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख जॉर्ज ला गाल ने उम्मीद जताई है कि भारतीय और फ्रांसीसी झंडे मंगल और शुक्र पर एक साथ फहराए जा सकेंगे।

मंगल के आगामी मिशन को लेकर भारत और फ्रांस के बीच समझौता हुआ है। गाल के मुताबिक, 'समझौता मंगल के अन्वेषण से जुड़ा है। हम लाल ग्रह को समझने की भारत की महत्वाकांक्षाओं को जानते हैं और मंगल की कक्षा में घूम रहे मंगलयान के काम से बहुत प्रभावित हैं। फ्रांस में मंगल और शुक्र दोनों के लिए ही बेहद कुशल वैज्ञानिक हैं।

अब चूंकि भारत में पहले से ही मंगल के अन्वेषण की परियोजना चल रही है, इसलिए हमने इस पर भविष्य में सहयोग करने का एक समझौता लागू कर लिया। क्या फ्रांस और भारत दोनों मिल कर मंगल पर जाएंगे, इस सवाल के बारे में उन्होंने कहा, 'मंगल पर भारत के अगले मिशन में फ्रांसीसी दक्षता का भी इस्तेमाल होगा। हमें इस बात का गर्व है कि जिस भारत के साथ हम लंबे समय से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करते आए हैं, उसके साथ अब हम एक नए क्षेत्र यानी अंतरिक्ष के अन्वेषण की भी शुरुआत कर रहे हैं।' मंगल यान मंगल की कक्षा में मौजूद है। एंजसी प्रमुख का कहना है कि अगला कदम अब मंगल पर लैंडर उतारना का होगा। उन्होंने

उम्मीद जताई कि फ्रांस के पास इसका कौशल है। यह दिलचस्प काम है। लिहाजा इसलिए वह लैंडर उतारने को लेकर आशाश्रित हैं। मंगल पर पहले भारतीय मिशन की प्रशंसा करते हुए गाल ने इसे मेक इन इंडिया की बेहतरीन मिसाल बताते हुए कहा कि मंगलयान की कुल लागत 6 करोड़ डॉलर है, जो हॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ट्रिपटी' की लागत से भी कम है। उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट तौर पर दिखाता है कि अगर आप बेहद होशियारी के साथ काम करें, तो आप बड़े संसाधनों के बिना भी महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशन को अंजाम दे सकते हैं, वह भी बहुत कम लागत में...'

शुक्र के अध्ययन को लेकर भारत-फ्रांस सहयोग पर उन्होंने कहा कि चूंकि अंतरिक्ष अभियानों की वैश्विक लागत कम हो रही है, ऐसे में शुक्र पर मिशन भेजने पर विचार किया जा सकता है। बीते वर्षों की तुलना में इसकी लागत कहीं कम होगी... तो शुक्र पर क्यों न जाया जाए? यह व्यावहारिक है।' फ्रांस और भारत के बीच एक नया थर्मल इमेजिंग उपग्रह बनाने के लिए भी समझौता हुआ था। इस मिशन के बारे में गाल ने कहा, 'यह नया उपग्रह मिशन हाल ही में पेरिस में हुए जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के बाद उठाया गया कदम है।

हमने इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया है। अंतरिक्ष में पहले ही हमारे पास दो साझा उपग्रह मेला-ट्रॉपिक्स और सरल-एल्टिका हैं, जिनके जरिए जलवायु का अवलोकन किया जाता है। इन्हें 2011 और 2013 में प्रक्षेपित किया गया था।' उन्होंने कहा कि अब एक नया उपग्रह विकसित किया जा रहा है, जो विशेष तौर पर जलवायु परिवर्तन के अवलोकन के लिए ही होगा। यह पृथ्वी की सतह का अवलोकन

थर्मल इंफ्रारेड की रेंज में करेगा। तरंग की लंबाई की यह विशेष रेंज जलवायु परिवर्तन के निरीक्षण में मदद करेगी। इससे जलवायु परिवर्तन के वनस्पति पर पड़ने वाले असर को समझने में मदद मिलेगी। पृथ्वी का अवलोकन करने वाले भारत और फ्रांस के तीन संयुक्त उपग्रह जलवायु परिवर्तन से जुड़ी एक बेहतर तस्वीर पेश करने में मदद करेंगे। भारत-फ्रांस सम्मेलन में दूसरे क्षेत्रों से इतर अंतरिक्ष से जुड़े अन्य समझौते भी हुए थे। तीसरे समझौते के बारे में उन्होंने कहा कि भारत के आगामी ऑर्बिटर मिशन से उपग्रह में फ्रांस एक एआरजीओएस नामक पेलोड लगाएगा। इसका काम अंतरिक्ष को एक मंच के तौर पर इस्तेमाल करते हुए प्रकाशदर्शकों को खोजना और बचाना होगा। भारत और फ्रांस की साझेदारी पर गाल ने कहा कि रॉकेटों और उपग्रहों के लिहाज से अंतरिक्ष में सहयोग की दोनों देशों के पास एक बड़ी विरासत है। फ्रांसीसी लॉन्चर भारतीय संचार उपग्रहों को प्रक्षेपित करते हैं और भारतीय रॉकेटों ने फ्रांसीसी उपग्रहों को प्रक्षेपित किया है। अंतरिक्ष कार्यक्रम के क्षेत्र में आज भारत, यूरोप से बाहर फ्रांस का दूसरा सबसे बड़ा साझेदार बन रहा है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की अन्य वैश्विक अंतरिक्ष एजेंसियों से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि वह जब भी इसरो के केंद्रों में जाते हैं, तो बहुत प्रभावित होते हैं, 'सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली बात यह है कि लोग पूरी तरह समर्पित हैं। उनमें वही लगन है जो अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दिनों में हममें या अमेरिका में हुआ करती थी। भारत में एक किस्म का उत्साह और ताजगी है, जो कि बेहद स्फूर्तिदायक है। यह भविष्य के प्रति आशा पैदा करती है।'

# आइएस ने भागने वाले लड़ाकों के सिर काटे

काहिरा, 31 जनवरी (भाषा)। आइएस ने इराक के मोसुल शहर में संघर्ष क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे 20 लड़ाकों के कथित तौर पर सार्वजनिक रूप से सिर काट दिए और इस तरह से आतंकवादी संगठन के दूसरे सदस्यों को भागने की कोशिश करने पर ऐसे नतीजे भुगतने की चेतावनी दी।

आरा न्यूज के अनुसार इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड सीरिया ने निनेवे प्रांत के मोसुल शहर में संघर्ष क्षेत्र से भागने की कोशिश करने वाले अपने ही आतंकवादियों को पकड़ लिया और सबके सामने उन्हें मौत के घाट उतार दिया। एक स्थानीय स्रोत ने आइएस के एक 'ओहदेदार' के हवाले से कहा,

''विद्रोहियों को शुक्रवार की शाम मोसुल के पास जांच चौकी पर गिरफ्तार किया गया था।

पश्चिमी मोसुल में लड़ाई पर मोर्चे के दौरान लड़ाकों के तौर पर अपनी स्थिति को छोड़ने वाले इन आतंकियों को मुकदमे के लिए शरीया अदालत में भेजा गया था।' उसने कहा, 'संक्षिप्त पूछताछ के बाद शरीया अदालत ने धोखाधड़ी के आरोप में भागने वालों का सिर काटने का फैसला किया।' खबर के अनुसार जिहादियों को मोसुल में सैकड़ों लोगों के सामने मौत के घाट उतारा गया, जिनमें अधिकतर आइएसआइएस के सदस्य और कमांडर थे।

# अफगानिस्तान में हालात सुधारने के लिए काम करते रहेंगे नाटो देश

वाशिंगटन, 31 जनवरी (भाषा)। अरबों डॉलर खर्च करने, अपने सैकड़ों सैनिकों को खो देने और व्यवस्था कायम करने के लिए सालों के अथक प्रयास के बावजूद ओबामा प्रशासन को अफगानिस्तान अब भी खतरनाक देश लगता है।

वाइट हाउस के प्रेस सचिव जोश अर्नेस्ट ने कहा, 'इस बिंदु पर यह स्पष्ट है कि अफगानिस्तान में अभी बेहद खतरनाक स्थिति है। यह खतरनाक देश है।' उन्होंने कहा कि अफगान सरकार और अफगान राष्ट्रीय सुरक्षाबलों को देश की सुरक्षा स्थिति संभाले हुए अभी साल भर ही हुआ है। अर्नेस्ट ने कहा कि अमेरिकी सेना और नाटो सहयोगियों ने अफगान सुरक्षाबलों को

प्रशिक्षण, परामर्श, सहायता और विशेषज्ञता प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अर्नेस्ट ने कहा कि अमेरिकी सैन्यकर्मी आतंकवाद रोधी मिशन भी चला रहे हैं, जो अफगानिस्तान में कार्यरत बलों की सुरक्षा के साथ ही चरमपंथी संगठनों से अमेरिका और हमारे हितों की सुरक्षा पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अमेरिकी सेना और नाटो सहयोगियों के प्रदर्शन से निश्चित तौर पर खुश है।

अर्नेस्ट ने कहा, 'हमने अफगानों में देश के लिए लड़ने की इच्छा देखी है, उनमें अब तक हुए नुकसान से लड़ने और उससे उबरने और जवाबी कार्रवाई करने की इच्छा देखी है।'

## अल सल्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति फ्लोरेस का निधन

सान सल्वाडोर, 31 जनवरी (एएफपी)। अल सल्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांसिस्को फ्लोरेस का निधन हो गया। उनकी पार्टी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कुछ दिन पहले फ्लोरेस मस्तिष्काघात के बाद कोमा में चले गए थे। उन्होंने 1999 से 2004 के बीच इस मध्य अमेरिकी देश का नेतृत्व किया था।

बहरहाल, अहम आयोग कॉक्स से पहले, ब्लूमबर्ग के सहयोग के साथ डेस मोइनेज रजिस्टर की तरफ से जारी अंतिम जनमत सर्वेक्षण के नतीजे हिलेरी और ट्रंप के बारे में दो अलग-अलग दास्तान सुनाते हैं। जहां ट्रंप ने नवीनतम जनमत सर्वेक्षण में सीनेटर टेड कूज पर बढ़त बना ली है, वहीं सीनेटर बर्नी सैंडर्स पर हिलेरी की मामूली बढ़त बनी हुई है।

डेस मोइनेज रजिस्टर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के चुनाव की 2016 की होड़ के लिए पहले वोट डाले जाने से विलकुल पहले आयोग में अपनी बढ़त फिर से हासिल कर ली। ट्रंप को 28 फीसद की हिमायत हासिल है जबकि 23 फीसद के साथ कूज उनके पीछे हैं। 13 जनवरी को जारी जनमत सर्वेक्षण के नतीजों में कूज को 25 फीसद की हिमायत हासिल थी और 22 फीसद के साथ ट्रंप पिछड़े हुए

# हिलेरी क्लिंटन और डोनाल्ड ट्रंप को नए सर्वेक्षण में अपने प्रतिद्वंद्वी पर मामूली बढ़त

वाशिंगटन, 31 जनवरी (भाषा)। राष्ट्रपति के चुनावों में निर्णायक माने जाने वाले प्रांत आयोगों में डेमोक्रेट हिलेरी क्लिंटन और रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप को अपने प्रतिद्वंद्वी पर मामूली बढ़त हासिल है। प्राइमरी चुनाव सोमवार को शुरू होने हैं।

बहरहाल, अहम आयोग कॉक्स से पहले, ब्लूमबर्ग के सहयोग के साथ डेस मोइनेज रजिस्टर की तरफ से जारी अंतिम जनमत सर्वेक्षण के नतीजे हिलेरी और ट्रंप के बारे में दो अलग-अलग दास्तान सुनाते हैं। जहां ट्रंप ने नवीनतम जनमत सर्वेक्षण में सीनेटर टेड कूज पर बढ़त बना ली है, वहीं सीनेटर बर्नी सैंडर्स पर हिलेरी की मामूली बढ़त बनी हुई है।

डेस मोइनेज रजिस्टर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के चुनाव की 2016 की होड़ के लिए पहले वोट डाले जाने से विलकुल पहले आयोग में अपनी बढ़त फिर से हासिल कर ली। ट्रंप को 28 फीसद की हिमायत हासिल है जबकि 23 फीसद के साथ कूज उनके पीछे हैं। 13 जनवरी को जारी जनमत सर्वेक्षण के नतीजों में कूज को 25 फीसद की हिमायत हासिल थी और 22 फीसद के साथ ट्रंप पिछड़े हुए

थे। सर्वेक्षण का संचालन करने वाले आयोगों के दिग्गज चुनाव विशेषज्ञ जे एन सेल्जर ने कहा कि ट्रंप केंद्र और हाशिया दोनों जगह बढ़त बनाए हैं।

दूसरी तरफ सैंडर्स पर हिलेरी की बढ़त मामूली है। हिलेरी को कॉक्स के संभावित मतदाताओं के 45 फीसद की हिमायत हासिल है जबकि 42 फीसद की पसंद सैंडर्स हैं। राष्ट्रीय राजनीतिक रणनीतिकार डेविड एक्सेरोड ने डेमोक्रेटिक पार्टी के अंदर के हालात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह दौड़ जितनी मुश्किल हो सकती है। अगर अंतिम महीने में बढ़ते हुए बर्नी सैंडर्स को गति मिल जाती है तो दौड़ थम जाएगी और अनिवार्य रूप से बराबरी पर आ जाएगी। इस बीच, 'पोलिटीको' ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सेल्जर की ओर से संचालित जनमत सर्वेक्षण लंबे समय से प्रभावशाली और सटीक रहे हैं।

सेल्जर के सर्वेक्षण ने 2008 में बराक ओबामा और माइक हक्काबी की जीत का अनुमान जताया था और 2012 में रिंक सेनेटरी की अंतिम क्षण में तेज बढ़त का पूर्वानुमान जताया था। इस बीच, प्रभावशाली दैनिक न्यूयार्क टाइम्स ने

राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर क्रमशः हिलेरी और जॉन कसिच का अनुमान द किया है। हिलेरी पर न्यूयार्क टाइम्स के संपादक मंडल का फैसला हैरतअंगेज नहीं लगा लेकिन रिपब्लिकन खेमे से तीन शीर्ष आकाशियों को, खास कर शहर के डोनाल्ड ट्रंप को उतारने के उसके फैसले से बहुत लोगों को हैरत हुई।

दैनिक ने कहा कि अमेरिका के लिए दृष्टि पेश करने के उद्देश्य से हिलेरी क्लिंटन डेमोक्रेट के लिए सही चुनाव है जो अग्रणी रिपब्लिकन उम्मीदवारों की तरफ से पेश किए से पूरी तरह भिन्न है। एक अन्य दृष्टि निष्कर्ष में मध्यवर्गीय अमेरिकियों को खुशहाली मिलती है, महिलाओं के अधिकार में इजाफा होता है, गैर दस्तावेजीकृत आइजकों को वैधता का एक मौका मिलता है, अंतरराष्ट्रीय गठबंधन परवान चढ़ाए जाते हैं और देश की सुरक्षित रखा जाता है। न्यूयार्क टाइम्स ने सैंडर्स की उम्मीदवारी खोज करते हुए कहा कि हिलेरी के पास जितना तजुबा है या नीतिगत विचार हैं वह वर्मॉट के सीनेटर के पास नहीं है। बहरहाल, बहुत लोगों को ताज्जुब तब हुआ जब शीर्ष अमेरिकी

# आइएस ने पश्चिमी देशों पर हमले की दी धमकी

बगदाद, 31 जनवरी (एएफपी)। इस्लामिक स्टेट ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें फ्रेंच बोलने वाले आतंकवादी पश्चिमी देशों को हमले की धमकी दे रहे हैं। इसमें इराक में जासूसों को और आइएस से हटने वालों को सजाए मौत देते हुए भी दिखाया गया है।

बताया जाता है कि जिहादी वेबसाइट पर शनिवार को लगाया गया फुटेज आइएस के मीडिया कार्यालय ने इराक के निनेवे प्रांत में बनाया है। इसमें युवकों को यह बताते हुए दिखाया गया है कि उन्होंने आइएस के खिलाफ काम किया। इसके बाद उन्हें गोली मार दी गई। फ्रेंच भाषी आतंकवादी ने एक जाफरानी नकाब लगा रखा था। वह सैनिक वर्दी में था और एक हैडगन लिए था।

उसके सुनहरे बाल नकाब से झलक रहे थे। ऐसा लगता है कि यह वीडियो 13 नवंबर के पेरिस हमले के बाद तैयार किया गया है। फ्रेंच भाषी आतंकवादी ने सीरिया और इराक में आइएस

से लड़ रहे अमेरिका और उसके सहयोगियों को मुख्य बदमाश करार दिया और उन्हें धमकी दी कि वे आइएस को कुचल नहीं पाएंगे। वीडियो में दक्षिण स्पेन के उंदलुस पर मुस्लिम शासन को कुचलने की खासी कीमत पश्चिम को, खास कर स्पेन को चुकानी पड़ेगी।

**भारतीय मूल का आतंकी सीरिया में मारा गया**  
मेलबर्न : आस्ट्रेलिया में वांछित भारतीय मूल के आइएस आतंकी के सीरिया में मारे जाने की खबर है। मीडिया की खबरों में कहा गया है कि भारतीय मूल का फिजी का नागरिक नील प्रकाश सीरिया में मारा गया है। समाचार पत्र 'हेराल्ड सन' के अनुसार आइएस ने दावा किया है कि प्रकाश 'शहीद' हो गया है। उसे अब्दु खालिद अल-कांबोदी के नाम से भी जाना जाता है। अभी इस बारे में कोई खबर नहीं है कि वह कैसे और कहाँ मारा गया है। प्रकाश उन आतंकवादियों के संपर्क में आया था जो विक्टोरिया में हमले की योजना बना रहे थे।

